

**Swami Ramanand Teerth Marathwaua University, Nanded**  
**School of Fine & Performing Arts**  
**M.A. Indian Classical Music (Vocal Instrument**  
**M.A. (Music)**  
**New Revised Syllabus 2018-2019**  
**Credit Division-(Theory + Practical + Assignment + Viva)**  
**Semester-I**

| No | Paper No | Title of Paper                                  | credits       |
|----|----------|-------------------------------------------------|---------------|
| 01 | MPA 101  | संगीताचे क्रियात्मकशास्त्र व प्रात्यक्षिक भाग-१ | 2+0+1+1=4     |
| 02 | MPA 102  | संगीतीक रचना शास्त्र व मौखिकी भाग-१             | 2+0+1+1=4     |
| 03 | MPA 103  | भारतीय संगीताचा इतिहास भाग-१                    | 2+0+1+1=4     |
| 04 | MPA 104  | भारतीय संगीतशास्त्र भाग-१                       | 2+0+1+1=4     |
|    |          | Open Elective<br>आंतर संकुल                     |               |
| 05 | MPA 105  | Elective Introduction of Music                  | 0+02+01+01+04 |

**Swami Ramanand Teerth Marathwaua University, Nanded**  
**School of Fine & Performing Arts**  
**M.A. Indian Classical Music (Vocal Instrument**  
**M.A. (Music)**  
**New Revised Syllabus 2018-2019**  
**Credit Division-(Theory + Practical + Assignment + Viva)**  
**Semester-II**

| Sr.No | Paper No | Title of Paper                                  | credits       |
|-------|----------|-------------------------------------------------|---------------|
| 01    | MPA 201  | संगीताचे क्रियात्मकशास्त्र व प्रात्यक्षिक भाग-२ | 2+0+1+1=4     |
| 02    | MPA 202  | संगीतीक रचना शास्त्र व मौखीकी भाग-२             | 2+0+1+1=4     |
| 03    | MPA 203  | भारतीय संगीताचा इतिहास भाग-२                    | 2+0+1+1=4     |
| 04    | MPA 204  | भारतीय संगीतशास्त्र भाग-२                       | 2+0+1+1=4     |
|       |          | Open Elective<br>आंतर संकुल                     |               |
| 05    | MPA 205  | Music Instruments Theory and All Songs Forms    | 0+02+01+01+04 |

**Swami Ramanand Teerth Marathwaua University,Nanded**  
**School of Fine & Performing Arts**  
**M.A.Indian Classical Music (Vocal Instrument**  
**M.A. (Music)**  
**New Revised Syllabus 2018-2019**  
**Credit Division-(Theory +Practical + Assignment + Viva)**  
**Semester-III**

| Sr.No | Paper No | Title of Paper                                     | credits                |
|-------|----------|----------------------------------------------------|------------------------|
| 01    | MPA 301  | संगीताचे क्रियात्मकशास्त्र व प्रात्यक्षिक<br>भाग-३ | 2+0+1+1=4              |
| 02    | MPA 302  | संगीतीक रचना शास्त्र व मौखिकी भाग-३                | 2+0+1+1=4              |
| 03    | MPA 303  | भारतीय संगीताचा इतिहास भाग-३                       | 2+0+1+1=4<br>2+0+1+1=4 |
| 04    | MPA 304  | भारतीय संगीतशास्त्र भाग-३                          |                        |
|       |          | Open Elective<br>आंतर संकुल                        |                        |
| 05    | MPA 305  | Music Overview                                     | 0+02+01+01+04          |

**Swami Ramanand Teerth Marathwaua University, Nanded**  
**School of Fine & Performing Arts**  
**M.A. Indian Classical Music (Vocal Instrument**  
**M.A. (Music)**  
**New Revised Syllabus 2018-2019**  
**Credit Division-(Theory + Practical + Assignment + Viva)**  
**Semester-IV**

|    | Paper No | Title of Paper                                  | credits     |
|----|----------|-------------------------------------------------|-------------|
| 01 | MPA 401  | संगीताचे क्रियात्मकशास्त्र व प्रात्यक्षिक भाग-४ | 2+0+1+1=4   |
| 02 | MPA 402  | संगीतीक रचना शास्त्र व मौखिकी भाग-४             | 2+0+1+1=4   |
| 03 | MPA 403  | भारतीय संगीताचा इतिहास भाग-४                    | 2+0+1+1=4   |
| 04 | MPA 404  | भारतीय संगीतशास्त्र भाग-४                       | 2+0+1+1=4   |
|    |          | Open Elective<br>आंतर संकुल                     |             |
| 05 | MPA 405  | Study of Elective Forms of North Indian Music   | 02+01+01+04 |
| 06 | MPA406   | Project Work                                    | 3+0+0+1=4   |

संगीत विषयाशी संबंधित लघुप्रबंधिका गुण (७५) सादर करून घेण्यात येईल. व मौखिकी परीक्षा गुण (२५) घेण्यात येईल. असे एकूण १०० गुणांची लघुप्रबंधिका (Project) संकुलात सादर करणे अनिवार्य आहे.

**Swami Ramanand Teerth Marathwada University,  
School of Fine & Performing Arts  
M.A. Indian Classical Music  
(Vocal And Instrumental)  
New Revised Syllabus 2018-2019  
Credit Division-(Theory +Practical + Assignment)  
M.A. Semester-I  
MPA 101**

**संगीताचे क्रियात्मक शास्त्र व प्रात्यक्षिक- भाग- १**

१).सविस्तर राग

खालील रागांचे बडे ख्याल आलाप व ताना , बहेलावे इ.सहीत गायनाची क्षमता व अभ्यासक्रमातील रागांचे बडे ख्याल व छोटे ख्याल स्वरलीपीबध्द करून लिहीणे

- |             |                |            |           |
|-------------|----------------|------------|-----------|
| १)अहीर भैरव | २).शुध्द सारंग | ३).मूलतानी | ४)अल्हैया |
| बिलावल      | ५).शामकल्याण   |            |           |

२).सर्वसामान्य अभ्यास करण्याचे राग

- |                   |                |            |  |
|-------------------|----------------|------------|--|
| १) बैरागि भैरव    | २) मदमाध सारंग | ३) मधुवंती |  |
| ४) देवगीरी बिलावल | ५) मारु बिहाग  |            |  |

३)वरील रागापैकी कोणत्याही रागात ध्रुपद,तराण गायनाची क्षमता व स्वरलीपीबध्द करून लिहीणे

४) उपशास्त्रीय गीतप्राकरात अभंग,भजन

५) तालांचा सविस्तर अभ्यास व लयकारी (दुगून, तीगुन, चौगुन)

- |          |         |          |           |
|----------|---------|----------|-----------|
| १) दादरा | २) रुपक | ३) झपताल | ४) तीनताल |
| सभागायन  |         |          |           |

१). सभागायन परीक्षेसाठी क्रियात्मक प्रात्यक्षिक परीक्षेचे राग नियोजित आहेत .

२). सभागायनाचा संपूर्ण वेळ २० मिनिटे असावा

१५ मिनिटे शास्त्रीय व ५ मिनिटे उपशास्त्रीय .

३) साथीसाठी संवादिनीचा उपयोग सभागायनासाठी करता येईल साथसंगत पुरक असावी प्रेरक नसावी .

४) तबला साथीदार व संवादिनी साथीदार परीक्षा केंद्रमार्फत देण्यात येईल .

**M.A.(Music) Indian Classical Music**  
**(Vocal and Classical Music )**  
प्रथम सत्र (Semester-I  
सविस्तर अभ्यासक्रम **MPA-102 Theory Paper)**

संगीतीक रचना शास्त्र व मौखिकी भाग-१

१. पाठयक्रमातील कोणत्याही सविस्तर रागामध्ये एक विलंबीत ख्याल तसेच मध्यलयीतील बंदीश विस्तृत गायकीसह
२. पाठयक्रमातील राग, ताल, गीतप्रकाराचे विस्तृत विवेचन
३. रागांग वर्गीकरणाचे अध्ययन आणि भैरव सारंग रागांगांचे विश्लेषण
४. स्वरप्रस्तार, नष्टोद्दिष्ट चे अध्ययन
५. तानरचना व तिहाईचा सिध्दांत
६. संपूर्ण पाठयक्रमावर आधारीत मौखिक प्रश्न

**M.A.(Music) Indian Classical Music**  
**(Vocal and Classical Music )**  
प्रथम सत्र (Semester-I  
**MPA-103 Theory Paper)**  
सविस्तर अभ्यासक्रम  
भारतीय संगीताचा इतिहास भाग-१

- १) भारतीय संगीताचा इतिहास विकास व काळ
- |                  |                |               |
|------------------|----------------|---------------|
| १. अंधकार युग    | २. पौराणिक काळ | ३. रामायण काळ |
| ४. महाभारत काळ   | ५. पणिनी काळ   | ६. बौद्ध काळ  |
| ७. हर्षवर्धन काळ | ८. तुघलक काळ   |               |
- २) भारतीय संगीतातील गीतप्रकारांचा सखोल अभ्यास
- |                       |               |                |
|-----------------------|---------------|----------------|
| १. धृपद धमार          | २. ख्याल तराण | ३. ठुमरी दादरा |
| ४. सादरा टप्पा चतुरंग |               |                |
- ३) वादन परंपरेतील संगीतज्ञांचे जवनीकार्य
१. पंडित रविशंकर— सितार वादक

२ अली अकबर खॉ.— सरोद वादक

४) अभ्यासक्रमातील ताल लिपीबद्ध व सखोल अभ्यास

**M.A.(Music) Indian Classical Music**

**(Vocal and Classical Music )**

**I-Semester**

**Theory Paper MPA(104)**

सविस्तर अभ्यासक्रम

भारतीय संगीतशास्त्र भाग—१

- १) अभ्यासक्रमातील रागांचा सैद्धांतिक अभ्यास व सविस्तर ज्ञान, समप्रकृतीक रागांचे तुलनात्मक अध्ययन, राग स्वरूपा विषयी विभिन्न मते
- २) ध्वनीशास्त्र—सांगीतीक ध्वनी, कोलाहल, आंदोलन, तरंग, तरंगवेग, तरंगमान, आवृत्ती, उपस्वर, अनुनाद, प्रतीध्वनी
- ३) आवाज साधनाशास्त्राचा सखोल अभ्यास, श्रुती संकल्पना व श्रुतीचे स्वरूप, श्रुतीचे स्वरांमध्ये झालेले विभाजन
- ४) भारतीय स्वरसप्तकाचा प्राचीन काळापासून ते आधुनिक काळापर्यंतचा झालेला विकास.

**M.A.(Music) Indian Classical Music**

**(Vocal and Classical Music )**

**I-Semester**

**Theory Paper MPA(105)**

**Open Elective**

**Elective Introduction of Music**

सविस्तर अभ्यासक्रम

- १) संगीताची व्याख्या, नाद सप्तक, वर्ण, अलंकार, राग, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी, थाट.
- २) लोकसंगीताचा उगम विकास व अपयुक्त वादय
३. भारतीय संगीताची वाटचाल व सदयस्थिती
४. खालील वादयाची माहिती

१.तबला, २.ढोलकी, ३.मृदंग, ४.हार्मोनियम ५.गीटार ६.बासरी

**Swami Ramanand Teerth Marathwau University, Nanded**  
**School of Fine & Performing Arts**  
**M.A .Indian Classical Music (Vocal Instrument Semester-II)**  
**प्रात्यक्षिक पेपर**  
**MPA 201**

**संगीताचे क्रियात्मक शास्त्र व प्रात्यक्षिक- भाग- 2**

**सविस्तर अभ्यासक्रम**

- १) खालील रागांचे बडे ख्याल आलाप,ताना,बहेलावे इ.गायनाची क्षमता व स्वरलीपबंध करणे आपेक्षित आहे.  
सविस्तर राग  
१.जोग                      २.पुरीया कल्याण                      ३.मारु बिहाग  
४.बीलासखानी तोडी                      ५.रागेश्री
- २) सर्व सामान्य राग  
१.जोगकंस                      २.यमनकल्याण  
३.बिहागडा                      ४.सालगवराडी                      ५.बागेश्री
- ३) वरील पैकी कोणत्याही रागांमध्ये एक धमार व एक तराण गायनाची क्षमता व सखोल अभ्यास
- ४) उपशास्त्रीय गीतप्रकारात दादरा,नाटयसंगीत
- ५) ताल—  
१.एकताल    २. दिपचंदी    ३.आडाचौताल  
इत्यादी तालांची दुगुन तिगुन चौगुन व लयकारी

**सभागायन**

१. सभागायन परीक्षेसाठी क्रियात्मक प्रात्यक्षिक परीक्षेचे राग नियोजित आहेत.
२. सभागायनाचा संपूर्ण वेळ २० मिनीटे असावा १५ मिनीटे शास्त्रीय व ५मिनीटे उपशास्त्री.
३. साथीसाठी संवादिनीचा उपयोग सभागायनसाठी करता येईल साथसंगत परक असावी प्रेरक नसावी.
४. तबला व संवादिनी साथीदार परीक्षा केंद्रामार्फत देण्यात यावेत.



**Swami Ramanand Teerth Marathwaua University,Nanded**  
**School of Fine & Performing Arts**  
**M.A.Music**  
**Indian Classical Music (Vocal Instrument Semester-II**  
**Practical Paper MPA 202**  
संगीतीक रचना शास्त्र व मौखीकी भाग—२

- १.पाठयक्रमातील कोणत्याही सविस्तर रागामध्ये एक विलंबीत ख्याल तसेच मध्यलयीतील बंदीश विस्तृत गायकीसह
- २.पाठयक्रमातील राग,ताल,गीतप्रकाराचे विस्तृत विवेचन
- ३.भातीय संगीतासाठी कंठसंस्कार विधी
- ४.कल्याण आणि धनाश्री रागांगाचे विश्लेषण
- ५.संगीत व काव्य आणि ताल व छंद याचा परस्पर संबंध
- ६.संपुर्ण पाठयक्रमावर आधारित मौखीक प्रश्न.

**Swami Ramanand Teerth Marathwaua University,Nanded**  
**School of Fine & Performing Arts**  
**M.A.Music**  
**Indian Classical Music (Vocal Instrument**  
**Semester-II**  
**Theory Paper MPA 203**  
**Stage Performance**  
सविस्तर अभ्यासक्रम  
भारतीय संगीताचा इतिहास भाग—२

- १.भारतीय संगीताचा इतिहास व विकास
- १.मध्ययुगीन काळ
- २.मथान काळ
- ३.लोदी काळ
- २.मध्ययुगीन गंधाकाराच्या श्रुतीस्वर व्यवस्थेचे तूलनात्मक अध्ययन
- १.पं.सारगदेव २.पं.राममात्य ३.पं.व्यकटमखी ४. पं. अहोबल

३.किरणा घराण्यातील संगीततज्ञांचे जीवनकार्य अभ्यासणे व त्यांच्या संगीत कार्याचा आढावा घेवुन चरित्र लिहीने.

१.उ.बंदे अली खॉन २.अ.अब्दुल करीम खा ३.पं.सवाई गंधर्व, ५.पं.विदुषी प्रभा अत्रे

४.वादयातील संगीततज्ञांचे जीवनकार्य अभ्यासणे व त्यांच्या संगीत कार्याचा आढावा घेवुन चरित्र लिहीने

१.अमजद आली खॉ. सरोदवादक

२.उ.झाकीर हसुन

३.हरीप्रसाद चौरसीया

**M.A.Music**  
**Indian Classical Music (Vocal Instrument**  
**Semester-II**  
**Theory Paper MPA 204**  
सविस्तर अभ्यासक्रम  
भारतीय संगीतशास्त्र भाग'२

१.हिंदुस्थानी व कानाटकि संगीत सप्तकाचे तूलनात्मक अध्ययन

२.स्टाफ नोटेशन पध्दतीचा परिचय

३.महाराष्ट्रातील लोकसंगतीचे विस्तृती विवेचन

४.दक्षिण भारतीय स्वरसप्तकाचा झालेला विकास

**M.A.Music**  
**Indian Classical Music (Vocal Instrument**  
**Semester-II**  
**Open Elective**  
**Paper MPA 205**  
Music Instruments Theory and All Songs Forms

१.चरित्रे

१.पं. भिमसेन जोशी २.पं.भातखंडे,

२.संगीतातील प्राथमिक अलंकाराचा अभ्यास

३. लावणी, पोवाड,भारुड, गोंधळ या कलाप्रकाराची संगीतिक वैशिष्टे  
४.खालील वादयांची माहिती  
१.हालगी २.शहनाई, ३.टाळ ४.तूणतूने

**Swami Ramanand Teerth Marathwau University,Nanded**  
**M.A.Music**  
**Indian Classical Music (Vocal Instrument)**  
**School of Fine & Performing Arts**  
**Stage Performance**  
**Semester-III**  
**Practical Paper MPA 301**

संगीताचे क्रियात्मक शास्त्र व प्रात्यक्षिक- भाग- 3

- १.सविस्तर अभ्यास करावयाचे राग  
१.मिया की तोडि २.कोमल रिषभ असावरी  
३.पूरीया ४.भटीयार ५.जौनपूरी  
२.सामन्य अभ्यास करावयाचे राग  
१.गुजरी तोडी २.आसावरी ३.सोहणी ४.भंखार  
५.देवगंधार  
३.वरील पैकी कोणत्याही रागांत एक धृपद व एक तराणा  
४.उपशास्त्रीय गीतप्रकार—गझल व भावगीत  
५.ताल  
१.केरवा २.चौताल, ३.झूमरा ४.धमार  
(आड,कूआड,बिआड, व दोन तालात डूगून,त्रिगुण चौगुन अपेक्षित  
६.वरील रागांचे बडे ख्याल आलाप व ताना, बहेलावे इ.सहीत गायनाची क्षमता व  
अभ्यासक्रमातील रागांचे बडे ख्याल व छोटे ख्याल स्वरलीपीबद्ध करुन लिहीणे

सभागायन

१. सभागायन परीक्षेसाठी क्रियात्मक प्रात्यक्षिक परीक्षेचे राग नियोजित आहेत .  
२. सभागायनाचा संपुर्ण वेळ २० मिनीटे असावा १५ मिनीटे शास्त्रीय व ५मिनीटे उपशास्त्री .  
३. साथीसाठी संवादिनीचा उपयोग सभागायनसाठी करता येईल साथसंगत परक असावी प्रेरक नसावी .  
४.तबला व संवादिनी साथीदार परीक्षा केंद्रामार्फत देण्यात यावेत .

**M.A.Music**  
**Indian Classical Music (Vocal Instrument)**  
**Semester-III**  
**Practical Paper MPA 302**  
संगीतीक रचना शास्त्र व मौखीकी भाग—३

१. पाठयक्रमातील कोणत्याही सविस्तर रागामध्ये एक विलंबीत ख्याल तसेच मध्यलयीतील बंदीश विस्तृत गायकीसह
२. पाठयक्रमातील राग, ताल, गीतप्रकाराचे विस्तृत विवेचन
३. काफ़ी आणि तोडी रागांगाचे विश्लेषण
४. कर्नाटकी गीत प्रकार व तालपद्धतीचे सामान्य अध्ययन
५. श्रुती, स्वर यांचा संबंध आणि विविध ग्रंथकारांची मते, श्रुतीची मापे (प्रमाण श्रुती, उपमहती, श्रुती, महती श्रुती)
६. संपूर्ण पाठयक्रमावर आधारित मौखीक प्रश्न.

**M.A.Music**  
**Indian Classical Music (Vocal Instrument)**  
**Semester-III**  
सविस्तर अभ्यासक्रम  
**Theory Paper MPA 303**

भारतीय संगीताचा इतिहास भाग—३

१. जयपूर घराण्यातील संगीततज्ञांचे जीवनकार्य अभ्यासणे व त्यांच्या संगीतकार्याचा आढावा घेवून चरीत्र लीहीणे.
१. आल्लादीयॉ खॉ, २. केसरबाई केरकर,
३. मोघुबाई कुर्डीकर, ४. कीशोरीताई अमोणकर,
२. खालील संगीत तज्ञांचे चरीत्र
१. उ. सुल्तान खॉ.—सारंगी वादक,
२. किशन महाराज
३. एनराजम—व्हायोलिन
३. अभ्यासक्रमातील रागोच तूलनात्मक अध्ययन व राग स्वरूपाविषयी विभीन्न मते
४. दक्षिणभारतीय संगीत पद्धतीतील गीतप्रकारांचा अभ्यास
१. जावली २. पल्लवी ३. तिल्लाना. ४. गोतम

**M.A.Music**  
**Indian Classical Music (Vocal Instrument)**  
**Semester-III**

सविस्तर अभ्यासक्रम

**Theory Paper MPA 304**

भारतीय संगीत शास्त्र भाग—३

१.संकल्पनांचा सविस्तर अभ्यास

- १.मुर्छना २. ग्राम ३.हार्मनी मेलोडी, ४.आविर्भाव—तिरोभाव  
५.परमेलप्रवेशक राग ६.अर्ध्वदर्शक स्वर ७. पूर्वांगराग  
८.उत्तरांग राग ९.तानांचे विविध प्रकार व स्वरसंवाद

२.शुद्ध —विकृत स्वरांचे प.भातखंडे व पं.श्रीनिवास यांची स्वरस्थाने

३.दहा थाट पध्दती/१२ थाट पध्दती

४.ग्वाल्हेर घराण्यातील संगीततज्ञांचे जीवनकार्य अभ्यासने

१. पं.हददु व हस्सु खॉ २. पं.ओंकारनाथ ठाकुर ३. पं.बाळकृष्ण बुवा इचलकरंजीकर

**M.A.Music**  
**Indian Classical Music (Vocal Instrument)**  
**Open Elective**  
**Semester-III**  
**Theory Paper MPA 305**  
**Music Overview**

सविस्तर अभ्यासक्रम

१.रागाची व्याख्या, रागसमय चक्र

२.तालाची व्याख्या,तालाचे प्रकार

३.विविध ताल तालांचे लेखन

४.ललित कलांचा संगीताशी संबंध

५.मनस्वास्थासाठी संगीत

६.सुगाम संगीताचे बदलते प्रवाह

**Swami Ramanand Teerth Marathwaua University, Nanded-**

**School of Fine & Performing Arts  
Indian Classical Music (Vocal Instrument)  
Semester-IV  
Practical Paper MPA 401**

संगीताचे क्रियात्मक शात्र व प्रात्यक्षिक भाग—४

सविस्तर अभ्यासक्रम

१. खालील रागांचे बडे ख्याल आलाप व ताना बहेलावे इ. सहित गायनाची क्षमता व स्वलिपीबद्ध करणे

१. पूरीया धनश्री,

२. कौसी कानडा

३. मधूवंती

४. भूप

५. मेघमल्हार

२. खालील रागांची छोटेख्याल आलाप तानांसहित गायनाची क्षमता

१. पुर्वी

२. अभोगी कानडा

३. मधुकंस

४. देशकार

५. सुरमल्हार

३. वरील पैकी कोणत्याही रागात धृपद तराणा गायनाची क्षमता आपेक्षित आहे.

४. सर्वतांलांची आड, कुआड, बीआड, करणे

१. दिपचंदी

२. तिलवाडा

३. शिखर

४. पशतो

सभागायन

१. सभागायन परीक्षेसाठी क्रियात्मक प्रात्यक्षिक परीक्षेचे राग नियोजित आहेत.

२. सभागायनाचा संपूर्ण वेळ २० मिनीटे असावा १५ मिनीटे शास्त्रीय व ५ मिनीटे उपशास्त्री.

३. साथीसाठी संवादिनीचा उपयोग सभागायनसाठी करता येईल साथसंगत परक असावी प्रेरक नसावी.

४. तबला व संवादिनी साथीदार परीक्षा केंद्रामार्फत देण्यात यावेत.

**Indian Classical Music (Vocal Instrument)**  
**Semester-IV**

**Practical Paper MPA 402**

**सांगीतीक रचनाशास्त्र व मौखीकी भाग—४**

१. पाठयक्रमातील कोणत्याही सविस्तर रागामध्ये एक विलंबीत ख्याल तसेच मध्यलयीतील बंदीश विस्तृत गायकीसह
२. पाठयक्रमातील राग, ताल, गीतप्रकाराचे विस्तृत विवेचन
३. मारवा व आसावरी रांगांगाचे विश्लेषण
४. प्रबंधाची परीभाषा व प्रकार, प्रबंधाच्या धातु व अंगाचा परीचय
५. संगीत रत्नाकर, संगीत समय सार, रागतरंगीनी, संगीत दर्पण व राग विबोध या ग्रंथांचा परीचय
६. संपूर्ण पाठयक्रमावर आधारीत मौखीक प्रश्न.

**Swami Ramanand Teerth Marathwau University, Nanded-**  
**School of Fine & Performing Arts**  
**Indian Classical Music (Vocal Instrument)**  
**Semester-IV**  
**Theory Paper MPA 403**

**भारतीय संगीताचा इतिहास भाग—४**

१. नायकी, गायकी, घराण्याच्या उत्पत्तीची मूलतत्वे, घराण्यांचा विविध शैली, वेशिष्टे व तुलनात्मक अभ्यास.
२. मार्गी संगीत—देशी संगीत,
३. भारतीय वादयांचे वर्गिकरण
४. लोकसंगीत
१. महाराष्ट्राचे लोकसंगीत व विकास
२. महाराष्ट्रातील नाट्यसंगीत
३. राजस्थानचे लोकसंगीत
४. पंजाबचे लोकसंगीत
५. बंगालचे लोकसंगीत
६. हरीयानाचे लोकसंगीत
५. शास्त्रीय संगीत व लोकसंगीत याचा परस्पर संबंध

६.आग्राघराण्याचे संगीततज्ञ व त्यांचे सांगीतीक योगदान यांचा सविस्तर अभ्यास.

१.उ. फयॉज खॉ, २.भास्करबुवा बखले

७.मेवाती घराण्याचे संगीततज्ञ व त्यांचे संगीतिक योगदान

१.पं.जसराज २.संजीव अभ्यकर

८. १.कुमार गंधर्व २.अमिर खॉ. (गायक) ३.बडे गुलाम आली खॉ.यांचे जीवनचरित्र

### **Indian Classical Music (Vocal Instrument)**

#### **Semester-IV**

#### **Theory Paper MPA 404**

#### **भारतीय संगीतशास्त्र भाग—४**

सविस्तर अभ्यासक्रम

१.भारतीय संगीतातील इलेक्टॉनिक तानपुरा, तबला, मायक्राफोन, ग्रामोफोन, रेकॉर्ड प्लेयर, टेपरेकॉर्डर, यांचा उपयोग

२.पाश्चात्य स्वरसप्तकांचा विकास

३.सारणा चतुष्टी

४.खंडमुरु

५.हिंदूस्थानी संगीतोच ४० सिध्दांत

६.उत्तर भारतीय संगीत पध्दतीतील स्वरसप्तकांचा विकास



**Swami Ramanand Teerth Marathwaua University, Nanded**  
**School of Fine & Performing Arts**  
**M.A. Indian Classical Music**  
**(Vocal Instrument Semester-IV)**  
**Practical Paper MPA 402 Stage Performance**  
**Semester-IV**  
**Open Elective**  
**Theory Paper MPA 405**  
**Study of Elective Forms of North Indian Music**

|          |          |
|----------|----------|
| धृपद,    | धमार,    |
| खयाल,    | ठुमरी,   |
| दादरा,   | टप्पा,   |
| चतुरंग,  | सरगम     |
| गीत,     | गझल,     |
| भावगीत,  | भजन,     |
| सदरा     | कव्वाली, |
| लावणी,   | त्रिवट   |
| लक्षणगीत |          |

PA406

प्रबंधिका—

Project

१. संगीताच्या संबंधित विषयावर लघुशोधप्रबंधिका सादर कराता येईल.
२. या विषयाशी निगडीत व्यक्ती, संस्था इत्यादी विषयांवर प्रबंध सादर करता येईल.
३. विषय नाविण्यपूर्ण व आव्हानात्मक असावा.
४. परिसरातील वैविध्यावरील संशोधनाला आधिक वाव देणे बंधनकारक राहील.